मैं उस प्रभु का सेवक हूँ जिसे अज्ञानी मनुष्य कहते है
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626

यशोन्नति

दैनिक यशोन्नति की और खबरों एवं ई पेपर के लिये लाँग इन करें https://dainikyashonnati.com
एप डाउनलोड करें

वर्ष 8+16 अंक 87 | प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल | yasonati@gmail.com | सिवनी शुक्रवार 08 दिसंबर 2023 | संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी | मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-3 संपादकीय एवं प्रदेश समाचार
पृष्ठ-3 सिवनी /बालाघाट समाचार
पृष्ठ-4 मंडला समाचार .....

मु यमंत्री होगा कौन अभी तय नहीं

सिवनी यशोः-मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मु यमंत्री के नामों को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि भाजपा तीनों राज्यों में नए चेहरे को सीएम के रूप में मौका देगी। वहीं, मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान की स्थिति मजबूत बताई जा रही है,इसी बीच, भाजपा ने विधानसभा चुनाव में जीते सभी सांसदों से इस्तीफा ले लिया है।

विधानसभा चुनाव के नतीजे तीन दिसंबर को घोषित हो गए थे। कांग्रेस ने तेलंगाना के लिए चुनाव जीतने के कुछ ही दिनों में नए सीएम का नाम घोषित कर दिया था। हालांकि, बीजेपी इस मामले में कांग्रेस से पीछे रह गई है। ऐसे में तीनों राज्यों को नया सीएम मिलने में कम से कम 4-5 दिन का समय लग जाएगा। कैसे, ये आपको बताते हैं।

संसदीय दल की बैठक में लगेगी सीएम के नाम पर मुहर?

भाजपा संसदीय दल की बैठक में पर्यवेक्षक की नियुक्ति की जाएगी। ये पर्यवेक्षक राज्यों की राजधानी पहुंचेंगे और वहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से राय मशविरा करेंगे। फिर विधायक दल की बैठक होगी उसमें नेता चुना जाएगा।

राज्यों के नेताओं और विधायकों से फीडबैक मिलने के बाद बीजेपी आलाकमान को इसकी जानकारी दी जाएगी। आलाकमान की ओर से सीएम पद के लिए किसी एक विधायक के नाम पर मुहर लगाई जाएगी। बीजेपी आलाकमान से हरी झंडी के बाद सीएम का शपथग्रहण समारोह होगा। साफ है कि इस प्रक्रिया में चार से पांच दिनों का समय लगना तय है।

मु यमंत्री का चेहरा जानने के लिये तीनों प्रदेशों की जनता बड़ी उत्सुक है परंतु भाजपा का नेतृत्व कह रहा है कि जरा इंतजार का मजा लीजिएँ

आज भी फुहार वाली बारिश की संभावना

लगातार बारिश से रबी की फसलों को लाभ तो खरीफ की फसलों को हो रहा नुकसान

सिवनी यशोः- मौसम में लगातारबारिश से ठंडक बढ़ रही है पिछले तीन दिनों से सूरज के दर्शन नहीं हुये है आसमान पर बादलों के छाये रहने के साथ ही बुधवार को दिन भर हल्की फुहार वाली बारिश होते रही तो गुरूवार को रूक रूक कर फुहार होते रही मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी बारिश होने की संभावना जतायी गयी है ।

भले ही चक्रवाती तूफान मिचौंग कमजोर हो गया है लेकिन जिले में इसका असर आज गुरूवार को भी देखने को मिला और शुक्रवार को भी बारिश होने की संभावना बतायी गयी है अगले एक दो दिन मौसम इसी प्रकार से रहने की संभवना है । आज 7 दिसंबर को भी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार रहे । इस दौरान जिलों में बादल छाए रहे एवं हल्की बारिश होते रही , शुक्रवार को भी मौसम इसी प्रकार रहने की संभावना है ।

मौसम विभाग की मानें तो नौ दिसंबर से मौसम साफ होने लगेगा। अगले चार दिनों में मौसम साफ होने पर ठंड का असर और बढ़ सकता है । तापमान में परिवर्तन आते ही ठंड का असर तेज होने लगेगा। इस वर्ष पिछ्ले वर्ष की तुलना में ठंड ज्यादा पड़ने की उ मीद है। इस बेमौसम बारिश के कारण दलहन-तिलहन सहित सब्जी की फसलों पर बड़ा प्रभाव देखने को मिलेगा। मौसम में ठंड के असर को देखते हुये आम जन जीवन अस्त व्यस्त है खेती किसानी को लाभ है तो कुछ नुकसान भी बताये जा रहे है । रबी फसल बोनी के लिये एवं जिन किसानों ने बोनी कर ली है उन्हें इस मावठे की बारिश से लाभ की संभावना है तो वहीं अनेक किसानों का मक्का एवं धान खुले आसमान के नीचे रखी होने से नुकसान बताया जा रहा है । समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी प्रारंभ हो गयी है परंतु किसानों से कहा जा रहा है धान को सूखा कर लाये । आसमान पर बादल है बारिश हो रही है धान को किसान कैसे सुखाये यह उनके सामने संकट है । जबतक मौसम साफ नहीं होता और सूरज नहीं निकलता धान का सूखना संभव नहीं है और धान उत्पादक किसानों की गाहनी भी नहीं हो सकती । वहीं सब्जी उत्पादक किसानों को इस बारिश में नुकसान होने की संभवना है किसानों की सब्जी की फसल खराब हो रही है ।

लगातार बारिश और मौसम में ठंडक से आमजन आवश्यक कार्य से ही बाहर निकल रहे है अन्यथ अपने घरों में सिमटे हुये है । घर में हीटर और अलाव के सामने बैठकर ठंड का आनंद ले रहे है । वहीं इन्ही दिनों में छात्रों की अर्धवार्षिक परीक्षाएँ चल रही है जिन्हें हाड़ गलाने वाली ठंड और बारिश से जूझते हुये परीक्षा की तैयारी और परीक्षा देने जाने पड़ रहा है ।

डी पी सी स्कूल में विंटर कैप डे सैलीब्रेशन संपन्न

सिवनी यशोः- डी पी सी रोल मॉडल ऐ सीलेंस स्कूल ड्रीम लैंड सिटी में 3दिनों से बढती ठंड को देखते हुए,तथा छात्रों को ठंड से बचाने विभिन्न राज्यों के परिधानों में प्रयुक्त होने वाले सुसज्जित कैपों का प्रदर्शन छात्र/छात्राओं द्वारा किया गया।जिसमें सबसे ज्यादा दिल्ली और उत्तर प्रदेश तथा हिमाचल प्रदेश के कैंपों का प्रदर्शन किया गया।कुछ छात्रों ने गुजराती और राजस्थानी कैपों को भी वरीयता दी।छात्रों ने कैपों को सुसज्जित कर,नये अंदाज में प्रस्तुत किया।इस अवसर पर प्रत्येक कक्षा से तीन-तीन छात्रों का चयन किया गया।

संस्था के चेयरमैन डॉ के के चतुर्वेदी ने छात्रों को ठंठ से बचने गर्म कपड़े पहनने के साथ साथ कानों को सुरक्षित रखने कैप-सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन कर 3 प्रमुख कैपों का चयन किया।

डॉ आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर किया गया बाबा साहब को याद

बरघाट यशोः - बाबा साहेब आंबेडकर की 66? वीं पुण्यतिथि पर बरघाट में बस स्टैंड में डा. अंबेडकर जी व भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर महापरिनिर्वाण दिवस मनाया। बुधवार को बस स्टैंड पर समाजसेवी संगठन तथागत पंचशील कल्याण समिति, नगर कांग्रेस कमेटी व नगर परिषद द्वारा भारत रत्न डा.अ बेडकर व भगवान गौतम बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित जनों ने बाबा साहब के आदर्शों पर जयघोष किया। मौन धारण कर आदरांजलि व्यक्त करते हुए सामाजिक उत्थान की शपथ दिलाई।

इस मौके पर बरघाट नगर परिषद इमरता साहू, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर, पार्षद अभिलाष गोलू मालवी, असंत उइके, ज्ञानसिंह चौधरी , हेमंत राहंगडाले मौजूद थे। वही समाजिक बंधुओं में तीरथ प्रसाद गजभिये, संजीव चौहान, मौजूद रहे, वहीं कांग्रेस नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील अवधवाल, पूर्व पार्षद सुरेन्द्र जायसवाल, पूर्व पार्षद महेंद्र महोबिया, राजेश लुधियाना, मनोज सूर्यवंशी, युगल चौधरी सहित अन्य व्यक्ति मौजूद थे।

करेंट के लिए लगाए तार में फंसने से चीतल की मौत, एक आरोपित पहुंचा जेल

सिवनी यशोः- जिले के दक्षिण सामान्य वनमंडल अंतर्गत आने वाले परिक्षेत्र सिवनी सामान्य के गोपालगंज सर्किल के ग्राम बडकुमारी अंतर्गत वनक्षेत्र में बुधवार को विभागीय अमले को एक चीतल का शव मिला। वन्यजीव चीतल की मौत से संबंधित घटनाक्रम में वन विभाग ने गुरूवार को एक आरोपित को गिर तार कर जिला न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

वन परिक्षेत्र अधिकारी सिवनी सामान्य ब्रजेश पांडे ने बताया कि बुधवार को गोपालगंज सर्किल के ग्राम बडकुमारी अंतर्गत वन क्षेत्र में एक चीतल का शव मिला था जिसकी सूक्ष्मता से जांच करने पर पाया गया कि बडकुमारी निवासी डल्लू (50) पुत्र ढल्लू चक्रवती द्वारा वन क्षेत्र से लगे अपने खेत में फसल की सुरक्षा हेतु वन्यप्राणियों के लिए करेंट तार लगाये गये थे लगाये गये तार में फंसने से बुधवार को चीतल की मौत हो गई जिस पर डल्लू चक्रवती ने मृत चीतल के शव को खेत से उठाकर वनक्षेत्र में डाल दिया। जांच में खेत में करेंट लगाने हेतु तार के पास चीतल के बाल व अन्य साक्ष्य

विभागीय अमले को मिले जिस पर विभागीय अमले द्वारा डल्लू चक्रवती से पूछताछ की गई जहां उसने अपराध करना स्वीकार किया।

आगे बताया कि चीतल के शव का पोस्टमार्टम उपरांत शवदाह वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। इस घटनाक्रम में आरोपित डल्लू चक्रवती के विरूद्ध वन विभाग ने वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं के तहत के तहत वन अपराध दर्ज कर गुरूवार को जिला न्यायालय के समक्ष पेश किया जहां से न्यायालय के आदेश उपरांत आरोपित को जेल भेज दिया गया है।

इस कार्यवाही में वन परिक्षेत्र सिवनी सामान्य ब्रजेश पांडे, हरवेन्द्र बघेल परिक्षेत्र सहायक गोपालगंज, रोहित शु ला , कपिल सनोडिया, शिवलाल काकोडिया, गुरूप्रसाद जंघेला सहित विभागीय टीम का सहयोग रहा।

अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश प्रतिबंधित

सिवनी यशोः- सचिव मप्र राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के पंचायत उप निर्वाचन 2023 के निर्वाचन की घोषणानुसार सिवनी जिले की जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच/पंच एवं जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन होना है, ऐसी संबंधित ग्राम पंचायत वार्ड के निर्वाचन क्षेत्र में 11 जनवरी 24 तक की अवधि के लिये आदर्श अचार संहिता प्रभावशील हो चुकी है। कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी क्षितिज सिंघल ने आदेश जारी कर उक्त अवधि तक जिले के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को बिना अनुमति के अवकाश पर नहीं जाने एवं मु यालय न छेडने के आदेश जारी किए हैं।

बाबा साहेब की पुण्यतिथि पर आबा कार्यकर्त्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किये

सिवनी यशोः- भारत रत्न संविधान के शिल्पकार डॉ टर भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आदर्श आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ जिला सिवनी मध्य प्रदेश के महिला कार्यकर्ता संरक्षक किशोरी लाल भलावी के नेतृत्व में श्रद्धा सुमन अर्पित की गई। आष्टा ग्राम पंचायत के पुराने स्कूल राष्ट्रीय स्मारक में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर मध्य प्रदेश के एकल पीठ द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी

कार्यकर्ता व सहायिका के पक्ष में जो फैसला दिया गया है विचार कर संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल भोपाल में महिला विकास विभाग के डायरे टर से न्यायालय का पत्र प्रस्तुत कर जल्द से जल्द कार्रवाही की मांग करने हेतु 15 दिनों के भीतर निराकरण के लिए भोपाल प्रस्थान करेगा।

संगठन के अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला राऊडपाच, सुश्री ज्योतेश्वरी उके जिला सचिव श्रीमती ममता राहंगडाले, श्रीमती बिजन बिसेन, सुश्री सीता पांडे श्रीमती दुर्गा राहगंडाले श्रीमती गीता झारिया श्रीमती कांता चौहान श्रीमती सुलन बाई श्रीमती उर्मिला श्रीमती कौशल्या टेमरे श्रीमती रु मणी डोंगरे श्रीमती रेवती मर्सकोले राजकुमार राउडपाच देवकीनंदन पांडे कुमारी दिव्या पटले श्रीमती ऐशुला मर्सकोले श्रीमती रेखा बाकले श्रीमती राजकुमारी चौरे श्रीमती मीना कुमरे आदि उपस्थित रहे।

डीएसपी प्रदीप वाल्मीकि ने गुरुकुल के विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

बच्चों को यातायात, साइबर क्राइम, पर्यावरण संरक्षण एवं महिला सशक्तिकरण के प्रति किया जागरूक

सिवनी यशोः- गुरुकुल पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल बरघाट में सिवनी के डी एस पी प्रदीप वाल्मीकि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड यूके लंदन 2017 के रिकॉर्ड होल्डर ने बच्चों को मार्गदर्शित करते हुए ट्रैफिक, महिला सशक्तिकरण,साइबर सुरक्षा, खेलों के महत्व और अनेक विषयों पर चर्चा की। कार्यक्रम में बच्चों से कई प्रश्नों को पूछा गया और बच्चों का मनोरंजन करते हुए उन्हें खेल एवं जानकारियां प्रदान की। मीडिया जगत से पृथ्वी टाइ स के संपादक पृथ्वी राज जगने उपस्थित रहे। बच्चों को मीडिया जगत से

परिचित कराते हुए बच्चों को मोटिवेट किया। कला के क्षेत्र में टीवी आर्टिस्ट देव पवार एवं अली भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में संस्था प्रबंध निदेशक नरेश सिंह राजपूत एवं प्राचार्य ज्योति सिंह राजपूत उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख ने ह्यूमन रिसोर्सेस फेडरेशन एवं गुरुकुल को संबोधित करते हुए बताया की गुरुकुल को अब तक 32 बड़े अवार्ड प्राप्त है। स्कूल एकेडमिक कॉर्डिनेटर दीक्षा पटले ने मंच संचालन करते हुए बताया कि गुरुकुल पब्लिक स्कूल को मध्यप्रदेश के 100 स्कूलों में से ए प्लस की रैंकिंग प्राप्त है एवं गुरुकुल में पूर्ण रूप से डिजिटल एजुकेशन कराया जा रहा है। साथ ही बच्चे खेल एवं अनेक विधाओं में नेशनल इंटरनेशनल लेवल पर चयनित हो रहे है।

सशस्त्र सेना झन्डा दिवस के अवसर पर सैनिकों के बलिदानों को किया गया याद

सैनिकों एवं उनके परिजनों के कल्याण के लिए जुटाई गई धनराशि

सिवनी यशोः- 07 दिस बर सैनिकों के बलिदान को समर्पित सशस्त्र सेना झन्डा दिवस का जिलास्तरीय कार्यक्रम गुरूवार 07 दिस बर 2023 कले ट्रेट सभाकक्ष में कले टर श्री क्षितिज सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सीईओ जिला पंचायत श्री नवजीवन विजय, अपर कले टर श्री सीएल चनाप, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अमरेन्द्र कुमार दास (से.नि.) एवं अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अमरेन्द्र कुमार दास द्वारा महामहिम राज्यपाल

महोदय एवं मु यमंत्री महोदय के संदेश का वाचन किया गया। तत्पश्चात कर्नल दास ने कले टर श्री सिंघल को सशस्त्र सेना झन्डा दिवस का बैच लगाया। कार्यक्रम को संबोधित कर कले टर श्री सिंघल ने उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों से अधिक से अधिक सं या में दान देकर सैनिकों एवं शहीद सैनिकों के परिजनों के कल्याण के लिए अधिकतम धनराशि जुटाने की अपील की, जिससे सैनिकों एवं परिजनों के लिये शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का बेहतर क्रियांवयन किया जा सके।

इस अवसर पर सैनिक कल्याण कार्यालय के कल्याण संयोजक नंदश्याम सिंह चौहान एवं समस्त स्टाफ द्वारा सशस्त्र सेना झन्डा दिवस का प्रतीक चिन्ह उपस्थित कर्मचारियों को भेंट किया गया। सशस्त्र सेना झन्डा दिवस 07 दिस बर 2023 के अवसर पर कार्यालय कले टर परिसर तथा शहर के कुछ स्थानों से एन.सी.सी. के छत्रों द्वारा संग्रहित राशी कुल 27770/- रूपये प्राप्त हुई हैं।

जबरन नॉलेज

पंचायत उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी

जिले में जिला पंचायत सदस्य के एक, 2 सरपंच तथा 52 पंचों के रिक्त पदों का होगा निर्वाचन

सिवनी यशोः- मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत उप निर्वाचन 2023 का कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी कार्यक्रमानुसार सिवनी जिले में जिला पंचायत सदस्य के रिक्त एक पद के लिए क्षेत्र क्रमांक-1 में शामिल 35 पंचायतों के साथ ही जनपद पंचायत सिवनी की ग्रामपंचायत उमरिया, लखनादौन जनपद की ग्राम पंचायत गनेशगंज के सरपंच पद तथा विभिन्न जनपदों के कुल 52 पंचों के लिए उप निर्वाचन होना है।

जारी कार्यक्रमानुसार 15 दिस बर को निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, सीटों के आरक्षण संबंधी सूचना एवं मतदान केन्द्रों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। इसके साथ ही नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की कार्यवाही प्रारंभ हो जाएगी। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22 दिस बर 23 को दोपहर 3.00 बजे तक होगी। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 23 दिस बर को तथा अ यार्थियों से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 26 दिस बर 23 दोपहर 3 बजे तक होगी। निर्वाचन कार्यक्रमानुसार रिक्त पदों के लिए 5 जनवरी 2024 को प्रातः 7 बजे से दोपहर 3 बजे तक मतदान होगा तथा पंच पदों के लिए मतदान केन्द्र में की जाने वाली मतगणना मतदान के तुरंत बाद प्रारंभ होगी। सरपंच, जनपद पंचायत सदस्य एवं जिला पंचायत सदस्य की विकासखण्ड मु यालय पर ईव्हीएम से की जाने वाली मतों की गणना 09 जनवरी 24 को प्रातः 8 बजे से की जाएगी।

संपूर्ण सृष्टि के पालक हैं देवाधिदेव महादेव

भोपाल(विसंके). शिव की आराधना हमें प्रकृति को पूजना और सहेजना सिखाती है। भौतिक सुखों से दूर आत्मिक सुख और जन कल्याण की सोच के साथ शिव जिस धैर्य और दृढ़ता के साथ प्रकृति की गोद में रमते हैं, वैसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता। प्राकृतिक परिवेश में जीने का सुकूनदायी एहसास शिव के ईश्वरीय स्वरूप को हमारे लिए और विशेष बनाता है। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप सामाजिक संतुलन का बेजोड़ उदाहरण है। एक ऐसी अद्भुत परिकल्पना जिसमें एक ओर आदिशक्ति मां पार्वती की सुंदर और कोमल काया और दूसरी ओर शिव का कठोर बदन। वैदिक दर्शन इस अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की व्या या करते हुए कहता है कि महादेव की यही सार्वभौमिकता प्रकृति का मूल उत्स है। शिव और शक्ति पृथक नहीं अपितु एक ही हैं। शक्ति के बिना 'शिव' सिर्फ शव हैं और शिव यानी कल्याण भाव के बिना शक्ति विध्वंसक। इसके संतुलन में ही सृष्टि का समूचा क्रिया व्यापार निहित है, ब्रह्माण्ड गतिशील है। शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप समाज में स्त्री-पुरुष के समान सह अस्तित्व का द्योतक है। स्त्री के बिना पुरुष अधूरा है और पुरुष के बिना स्त्री। हमारी उत्कृष्ट ऋषि मनीषा का बिंबात्मक परिणाम है- महादेव का अर्द्धनारीश्वर स्वरूप। इसके पीछे एक सुव्यवस्थित मनोविज्ञान है। इसमें स्त्री-पुरुष, प्रकृति-पुरुष, धर्म-अर्थ, काम-मोक्ष एवं भौतिक-अध्यात्म का मंजुल समन्वय है।

अर्द्धनारीश्वर स्वरूप की भांति महादेव का समूचा परिवार भी समन्वय का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत करता है। परस्पर धुर विरोधी भावों का ऐसा सामंजस्य अन्यत्र दुर्लभ है। परिवार के रहने के लिए एक आवास तक की जरूरत नहीं। निरभ्र खुले आकाश तले कैलाश का हिम-आलय। एक ओर शिव हैं नितांत वैरागी और निर्लिप्त और वहीं उनकी अर्धांगिनी हैं समूचे श्री सौभाग्य से सुशोभित जगद्जननी मां पार्वती। स्वयं ही नहीं, संतति भी गुण, रूप, स्वभाव में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग। ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय देव सेनापति तथा कनिष्ठ पुत्र प्रथम पूज्य गणपति। इस परिवार में मानव देहधारी ही नहीं, पशु और भूत-पिशाच आदि मानवेतर योनियों के जीव भी पूर्ण समरसता और स्वच्छंदता से रहते हैं। आमतौर पर एक-दूसरे के कट्टर दुश्मन माने जाने वाले बैल और सिंह तथा सर्प एवं मोर-मूषक सरीखे जीव शिव परिवार में पूरी सहजता से रहते हैं।

आशुतोष होते हुए भी वे भयंकर रुद्र हैं। देव, दानव, भूत, पिशाच, गण सभी को साथ लेकर चलते हैं। उनके साथ समभाव से जीते हैं। उनके ईश्वरीय स्वभाव की यह बात आम इनसान के जीवन में बहुत महत्व रखती है। शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के भाव की आज के समय में सबसे अधिक जरूरत है। संसार में फैल रहे द्वेष की सबसे बड़ी वजह यही है कि हम औरों के प्रति स्वीकार्यता का भाव खो रहे हैं। जिंदगी को सहज बनाने और उसमें संतुलन लाने का भाव महादेव की बड़ी सीख है। उनके दैहिक स्वरूप की बात करें तो यह भी कम विचित्र नहीं है किंतु इसमें गहन तत्वदर्शन भी निहित है।

शिव के मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा उनके मन की मुदितावस्था का प्रतीक है। इसीलिए उनका एक नाम भालचंद्र भी प्रसिद्ध है। भालचंद्र का अर्थ है मस्तक पर चंद्रमा धारण करने वाला। शिव का मन भोला, निर्मल, पवित्र और सशक्त है। उनका विवेक सदा जाग्रत रहता है। उनके मस्तिष्क में कभी अविवेकपूर्ण विचार नहीं पनप पाते हैं शिव का चंद्रमा स्वच्छ और उज्ज्वल है। उसमें मलीनता नहीं, वह अमृत की वर्षा करता है। इसीलिए चंद्रमा का एक नाम 'सोम' भी है। चंद्रमा का स्वभाव शीतल होता है। चंद्रमा की किरणें मन को शीतलता प्रदान करती हैं। इसके पीछे भाव यह है कि जीवन में कितनी भी बड़ी समस्या यों न आ जाए, दिमाग को हमेशा शांत ही रखना चाहिए। यदि दिमाग शांत रहेगा तो बड़ी से बड़ी समस्या का हल भी निकल आएगा। भगवान शिव का चंद्रमा को धारण

करने का आशय है कि मन को सदैव अपने काबू में रखना चाहिए।

इसी तरह सिर से गंगा की जलधारा बहने से आशय ज्ञानगंगा से है। मां गंगा शिव की जटाओं में आश्रय लेती हैं। गंगा ज्ञान की प्रचंड आध्यात्मिक शक्ति के रूप में अवतरित होती हैं। इस महान आध्यात्मिक शक्ति को संभालने के लिए शिवत्व ही उपयुक्त है।

शिव को त्रिलोचन कहते हैं। वेदों के अनुसार शिव के ये तीन नेत्र सूर्य, चंद्र और अग्नि के प्रतीक हैं। इसीलिए शिव को त्र्यंबक भी कहते हैं। शिव का तीसरा नेत्र यज्ञाग्नि का प्रतीक है और इस ज्ञान नेत्र या अग्नि से ही उन्होंने कामदेव को भस्म किया था। आंखों का काम होता है रास्ता दिखाना और रास्ते में आने वाली मुसीबतों से सावधान करना। जीवन में कई बार ऐसे संकट आ जाते हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते। ऐसे समय में विवेक और धैर्य ही एक सच्चे मार्गदर्शक के रूप में हमें सही-गलत की पहचान कराता है। यह विवेक अंतःप्रेरणा के रूप में हमारे अंदर ही रहता है। जरूरत है उसे जगाने की। भगवान शिव का तीसरा नेत्र आज्ञा चक्र का स्थान है। यह आज्ञा चक्र ही विवेक बुद्धि का स्रोत है। यही हमें विपरीत परिस्थिति में सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है।

महाविषधर सर्प भी भगवान शंकर के गले का हार हैं। भगवान शिव जितने रहस्यमय हैं उनकी वेशभूषा भी उतनी ही विचित्र। सांसारिक लोग जिनसे दूर भागते हैं, भगवान शिव उसे ही अपने साथ रखते हैं। शिव एकमात्र ऐसे देवता हैं जो गले में नाग धारण करते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि जीवन चक्र में हर प्राणी का अपना विशेष योगदान है। इसलिए बिना वजह किसी प्राणी की हत्या न करें।

देवताओं और दानवों द्वारा किए गए समुद्र मंथन से निकले कालकूट को भगवान शंकर ने अपने कंठ में धारण किया था। विष के प्रभाव से उनका कंठ नीला पड़ गया और वे नीलकंठ के नाम से प्रसिद्ध हुए। शिव का विष पीना हमें यह संदेश देता है कि हमें बुराइयों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देना चाहिए।

हमारे धर्म शास्त्रों में जहां सभी देवी-देवताओं को वस्त्र-आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है, वहीं भगवान शंकर सिर्फ मृग चर्म (हिरण की खाल) लपेटे, मुंडमाला धारण किए और भस्म लगाए दिखते हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर में नित्य प्रातः भस्म आरती होती है जिसमें श्मशान के मुर्दे की भस्म से शिव का पूजन-अर्चन होता है। शिवलिंग पर भी भस्म का लेप किया जाता है। प्रलयकाल में समस्त जगत का विनाश हो जाता है, केवल भस्म (राख) शेष रहती है। यही दशा शरीर की भी होती है। भस्म से नश्वरता का स्मरण होता है। भगवान शिव का पूरा शरीर भस्म से ढंका रहता है। शिव के भस्म रमाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक कारण भी हैं। भस्म की यह विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसका मु य गुण है कि इसको शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्म धारण करने वाले शिव यह संदेश देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको ढालना मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है। शिव के गले में पड़ी मुंडमाला से यह भाव व्यक्त होता है कि उन्होंने मृत्यु को गले लगा रखा है तथा वे उससे भयभीत नहीं हैं। शिव के श्मशानवास का प्रतीक यह है कि जो जन्मता है, एक दिन अवश्य मरता है अतः जीवित अवस्था में शरीर-नाश का बोध होना ही चाहिए।

त्रिशूल भगवान शिव का प्रमुख अस्त्र है। यदि त्रिशूल का प्रतीक चित्र देखें तो उसमें तीन नुकीले सिरे दिखते हैं। यूं तो यह अस्त्र संहार का प्रतीक है पर वास्तव में इसका तत्व दर्शन बहुत ही गूढ़ है। संसार में तीन तरह की प्रवृत्तियां होती हैं– सत, रज और तम। हर मनुष्य में ये तीनों प्रवृत्तियां पाई जाती हैं। त्रिशूल के तीनों नुकीले सिरे इन तीनों प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। शिव का त्रिशूल इन तापों को नष्ट करता है। त्रिशूल के माध्यम से भगवान शिव यह संदेश देते हैं कि इन गुणों पर हमारा पूर्ण नियंत्रण होना चाहिए।

भगवान शंकर का वाहन नंदी यानी बैल है। जिस तरह शिव परमयोगी एवं शक्तिशाली होते हुए भी अत्यंत शांत और भोले रहते हैं, उसी तरह उनका वाहन नंदी बैल बहुत ही मेहनती, शक्तिशाली, शांत एवं भोला जीव है। नंदी को पुरुषार्थ का प्रतीक माना गया है। बैल कड़ी मेहनत करने के बाद भी बैल कभी थकता नहीं। वह लगातार अपना कर्म करते रहता है। इसका अर्थ यह है कि हमें भी सदैव अपना कर्म करते रहना चाहिए। कर्म करते रहने के कारण जिस तरह नंदी शिव को प्रिय है, उसी प्रकार हम भी भगवान शंकर की कृपा पा सकते हैं।

शिव श्मशान में भी निवास करते हैं। उनके सांसारिक होते हुए भी श्मशान में निवास करने के पीछे गूढ़ सूत्र यह है कि संसार मोह-माया का प्रतीक है जबकि श्मशान वैराग्य का। व्यावहारिक दृष्टि से विचार करें तो देहावसान के बाद जब हम अपने प्रिय जनों के मृत शरीरों को श्मशान ले जाते हैं, वह प्रलय का संक्षिप्त रूप है। उस अवधि में हमारे भीतर क्षणिक वैराग्य उत्पन्न हो ही जाता है।

शिव कहते हैं कि संसार में रहते हुए अपने कर्तव्य पूरे करो, लेकिन मोह-माया से दूर रहो, योंकि संसार नश्वर है। एक न एक दिन सब कुछ नष्ट होने वाला है। इसलिए संसार में रहते हुए भी किसी से मोह मत रखो और अपने कर्तव्य पूरे करते हुए अनासक्त आचरण करो।

शिवपुराण आदि ग्रंथों में भगवान् शिव को बिल्व पत्र चढ़ाने का विशेष महत्व बताया गया है। तीन पत्तों वाला अखंडित बिल्व पत्र शिव पूजन में उपयुक्त माना गया है। बिल्व पत्र के ये तीन पत्ते तीन पुरुषार्थों धर्म, अर्थ और काम के प्रतीक हैं। जब आप इन पुरुषार्थों को निस्स्वार्थ भाव से साध लेते हैं तब चौथा पुरुषार्थ यानी मोक्ष अपने आप ही प्राप्त हो जाता है। सामान्य दृष्टि से भांग-धतूरा नशीले पदार्थ हैं मगर भगवान शिव को इन्हें चढ़ाने का अर्थ है अपनी बुराइयों को भगवान को समर्पित कर देना। यानी अगर आप किसी प्रकार का नशा करते हैं तो इसे भगवान को अर्पित कर दें और भविष्य में कभी भी नशीले पदार्थों का सेवन न करने का संकल्प लें।

शिव को संहार का देवता कहा गया है। अर्थात् जब मनुष्य अपनी सभी मर्यादाओं को तोड़ने लगता है, तब शिव उसका संहार कर देते हैं। जिन्हें अपने पाप कर्मों का फल भोगना बचा रहता है वही प्रेत योनि को प्राप्त होते हैं। चूंकि शिव संहार के देवता हैं, इसलिए इनको दंड भी वे ही देते हैं। शंकर मनुष्य और अन्य जीवों के साथ भूत-प्रेतों का भी पूरा ध्यान रखते हैं, उनके आमोद-प्रमोद का भी। तभी तो वे उन्हें अपनी बारात तक में ले जाते हैं। शिक्षण यह कि पिछड़ों, दिव्यांगों, विक्षिप्तों को हमेशा साथ लेकर चलने से ही सेवा-सहयोग का प्रयोजन बनता है। दरअसल, यह जो भूत-प्रेत है वह कुछ और नहीं, बल्कि सूक्ष्म शरीर का प्रतीक है। भगवान शिव का यह संदेश है कि हर तरह के जीव जिससे सब घृणा करते हैं या भयभीत रहते हैं, वे भी शिव के समीप पहुंच सकते हैं, शर्त यह है कि वे अपना सर्वस्व शिव को समर्पित कर दें।

शिवपुराण के अनुसार भगवान शिव कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। पर्वतों पर आम लोग नहीं आते-जाते। सिद्ध पुरुष ही वहां तक पहुंच पाते हैं। भगवान शिव भी कैलाश पर्वत पर योग में लीन रहते हैं। गूढ़ दृष्टि से विचार करें तो पाएंगे कि पर्वत प्रतीक है एकांत और ऊंचाई का। यदि आप किसी प्रकार की सिद्धि पाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको एकांत स्थान पर ही साधना करनी चाहिए।

शिव का वाद्य है डमरू। मान्यता है कि ब्रह्मांड में गूंजने वाले नाद का स्वर शिव के डमरू से ही निकला है। प्रलयकाल में जब सारा ब्रह्मांड श्मशान हो जाता है तब शिव तांडव नर्तन करते हैं। इस तांडव नर्तन का दर्शन अद्भुत है। पुरुष और प्रकृति के मिलन का नाम है तांडव नृत्य। तांडव नृत्य के समय शिव बाएं हाथ से डमरू बजाते हैं तो उस समय अणु-अणु में क्रियाशीलता जागृत होती है और सृष्टि के नव निर्माण की संरचना होती है।

सामान्य रूप में हाथी को अभिमान का और व्याघ्र को हिंसा का प्रतीक माना जाता है। महादेव शिव के अपनी देह पर हस्ति और व्याघ्र चर्म धारण करने के पीछे भी अहंकार त्याग की शिक्षा निहित है। शिव को पशुपति कहा गया है। पशुत्व की परिधि में आने वाली दुर्भावनाओं और दुष्प्रवृत्तियों का नियंत्रण करना पशुपति का काम है। नर-पशु के रूप में रह रहा जीव जब कल्याणकर्ता शिव की शरण में आता है तो सहज ही पशुता का निराकरण हो जाता है।

महादेव का सौ य रूप जितना सुहावना और सरल है, उनका रौद्र रूप उतना ही भय पैदा करने वाला। लेकिन उनके क्रोध करने का कारण भी लोक कल्याण ही होता है। भगवान शिव किसी पर गुस्सा निकालने या पीड़ा पहुंचाने के बजाय गुस्से को एक संरचनात्मक दिशा देने की सीख देते हैं। भोलेनाथ शांत और सहज रहते हैं लेकिन जब बुरी ताकतों को नष्ट करने की बात आती है तो उनका क्रोध प्रस्फुटित हो उठता है। वे तांडव करने वाले नटराज भी हैं और भक्तों के लिए बाबा भोलेनाथ भी।

शिव के सभी रूप भक्तों के लिए कल्याणकारी हैं। वे सभी रूपों में पूजनीय हैं और जीवन का संदेश देते हैं। इसीलिए इन शब्दों में देवाधिदेव की वंदना की गई है–

कर्पूरगौरं करुणावतारं
संसारसारं भुजगेंद्रहार ।
सदा वसंतम ह्दयारविंदे
भवं भवानी सहितं नमामि।।

ज्योतिर्लिंगों की वैज्ञानिकता

अब तो विज्ञान ने भी ज्योतिर्लिंगों की वैज्ञानिक महत्ता पर मुहर लगा दी है। भारत सरकार के परमाणु केंद्रों के अलावा सबसे ज्यादा विकिरण (रेडिएशन) देश के द्वादश ज्योतिर्लिंग स्थलों पर ही पाया जाता है। गौरतलब है कि भाभा परमाणु केंद्र की बनावट भी शिवलिंग की तरह है। दरअसल, शिवलिंग और कुछ नहीं बल्कि परमाणु केंद्र ही है। जरा विचार कीजिए, प्राचीन भारत का ज्ञान-विज्ञान कितनी उच्च कोटि का रहा होगा तभी तो हमारे ऋषि-मुनियों ने शिवलिंग पर जल चढ़ाने की परंपरा डाली थी ताकि उससे उत्सर्जित होने वाली ऊर्जा तरंगें शांत रहें। जल और दूध के साथ शिवलिंग पर अर्पित किए जाने वाले बिल्व पत्र, आक, आकमद, धतूरा, गुड़हल आदि पदार्थ भी परमाणु ऊर्जा सोखने वाले पदार्थ होते हैं। शिवलिंग पर चढ़ा पानी भी रेडियो ऐ टव हो जाता है, तभी जल निकासी नलिका को लांघा नहीं जाता। शिवलिंग पर चढ़ाया हुआ जल नदी के बहते हुए जल के साथ मिलकर औषधि का रूप ले लेता है। तभी तो हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि महादेव शिव शंकर अगर नाराज हो जाएंगे तो प्रलय आ जाएगी। जरा गहराई से विचार कीजिए कि हमारी परंपराओं के पीछे कितना गहन विज्ञान छिपा हुआ है। यह देश का दुर्भाग्य है कि हमें अपनी परंपराओं को समझने के लिए जिस विज्ञान की आवश्यकता थी, आजादी के बाद वह हमें पढ़ाया ही नहीं गया, वरन् विज्ञान के नाम पर जो हमें पढ़ाया गया उससे हम अपनी परंपराओं से दूर होते गए। सनद रहे कि हमने जिस देव संस्कृति की कोख से जन्म लिया है, वह सनातन है। हमारे ऋषियों ने विज्ञान को परंपराओं का जामा इसलिए पहनाया था, ताकि वे प्रचलन बन जाएं और हम भारतवासी सदा वैज्ञानिक जीवन जीते रहें।

बादलों का डेरा : जबलपुर, शहडोल, सागर संभाग में बारिश की संभावना बरकरार

भोपाल । तूफान मिचौंग अब पूरी तरह से कमजोर पड़ने के बाद वर्तमान में दक्षिणी छत्तीसगढ़ एवं उससे लगे विदर्भ पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। हरियाणा में भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात है। इसके अतिरिक्त अरब सागर में भी हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बना हुआ है। वर्तमान में हवा का रुख लगातार पूर्वी बना रहने के कारण बड़े पैमाने पर नमी भी आ रही है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक इन मौसम प्रणालियों के असर से पूरे प्रदेश में बादल बने हुए हैं।

उधर पिछले 24 घंटों के दौरान गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे तक उमरिया में 21.4, सिवनी में 20.8,

मंडला में 16.1, रीवा में 12.6, जबलपुर में 11.8, छिंदवाड़ा में 10.6, सीधी में 8.6, सतना में 7.7, नरसिंहपुर में चार, मलाजखंड में 2.9,पचमढ़ी में 2.4, खजुराहो में दो, दमोह में एक, बैतूल में 0.4 मिलीमीटर वर्षा हुई। सागर में बूंदाबांदी हुई।

दिन में सिहरन

मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शु ला ने बताया कि छत्तीसगढ़ के आसपास चक्रवात बना रहने के कारण पूर्वी मप्र में वर्षा हुई है। गुरुवार-शुक्रवार को भी जबलपुर, शहडोल, सागर एवं रीवा संभाग के जिलों में कहीं-कहीं वर्षा हो सकती है। उधर पूरे प्रदेश में बादल बने रहने के कारण दिन का तापमान सभी जिलों में सामान्य से कम बना रहेगा, लेकिन रात का तापमान सामान्य से अधिक रहेगा। इस तरह की स्थिति अभी दो दिन तक बनी रह सकती है। उसके बाद नमी कुछ कम होने से धूप निकल सकती है, लेकिन 11 दिसंबर को एक नया पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत के मौसम को प्रभावित करने लगेगा। उसके प्रभाव से मप्र के मौसम में एक बार फिर बदलाव होने के आसार भी हैं।

गैंगस्टर दुर्लभ कश्यप के हत्यारे शाहनवाज पर जानलेवा हमला, बाइक से आए बदमाशों ने चलाई गोली

उज्जैन। एएसपी गुरूप्रसाद पाराशर ने बताया कि मंगलवार रात नानाखेड़ा बस स्टैंड के पास बाइक पर सवार बदमाशों ने कार में सवार कुछ युवकों पर गोली चलाई थी। गोली कार के गेट पर ऊपरी हिस्से में लगी, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ है। नानाखेड़ा पुलिस ने मामले में शाहनवाज हुसैन निवासी हेलावाड़ी की शिकायत पर जानलेवा हमले की धारा में 11 बदमाशों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है और उनकी तलाश शुरू कर दी है।

दुर्लभ कश्यप गैंग से जान का खतरा बता चुका है शाहनवाज

बता दें कि शाहनवाज ने तीन साल पहले अपने साथियों के साथ

मिलकर गैंगस्टर दुर्लभ कश्यप की हत्या की थी। जिसके चलते पुलिस ने उसे जेल भेजा था। कुछ साल जेल में रहने के बाद शाहनवाज जमानत पर रिहा हुआ है। वह हत्या के मामले में न्यायालय पेशी पर साथियों के साथ आता-जाता है। मंगलवार को भी वह पेशी पर अपने साथी लखन, रमीज और 2 अन्य के साथ पहुंचा था। शाहनवाज दुर्लभ के साथियों से अपनी जान का खतरा होना न्यायालय को बता चुका था। न्यायालय ने पुलिस सुरक्षा के निर्देश दिये थे।

पेशी के बाद शहनवाज कार से लौटा उनके साथ एक पुलिसकर्मी साथ चल रहा था। नानाखेड़ा बस स्टेंड से गुजरते समय बाइक पर आये 10 से 12 बदमाशों ने उनकी कार को रोक लिया और हमला कर दिया। शाहनवाज और उसके साथी कुछ समझ पाते एक बदमाश ने गोली चला दी। जो कार के ऊपर गेट के पास जाकर लगी। गोली चलते ही पुलिसकर्मी कार के पास रूक गया। जिसके बाद बदमाश पुलिस को देख भाग निकले। कहा जा रहा है कि पुलिसकर्मी नहीं होता तो नानाखेड़ा पर बड़ी घटना हो जाती। शहनवाज ने गोली चलाने वालों में रोशन शर्मा, अभिषेक वर्मा, बाबू टायर, नीलू संगत, यश, शानू, पीयूष सहित 11 के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है। सूत्रों की माने तो पुलिस ने तीन से चार को हिरासत में ले लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

निशाने पर था शाहनवाज

गौरतलब हो कि दुर्लभ कश्यप की हत्या के बाद से उसके साथी शाहनवाज को निशाना बनाने की फिराक में है। शाहनवाज और उसके साथियों ने दुर्लभ गैंग से अपनी जान का खतरा होना न्यायालय में बताया था। जिसके चलते पेशी पर आने के दौरान उनके साथ पुलिस भी न्यायालय आई थी। लौटते वक्त नीलगंगा थाने का पुलिसकर्मी उनकी कार के साथ चल रहा था। बदमाशों के गोली चलते ही पुलिस कर्मी रूक गया था और गोली चलाने वाले भाग निकले थे। कहा जा रहा है कि पुलिसकर्मी नहीं होता तो बड़ी घटना हो जाती।

सिंधिया स्टेट की पगड़ी पहनकर बाल स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले बाबा कालभैरव

उज्जैन। उज्जैन के कालभैरव मंदिर की पहचान भगवान महाकाल के नगर कोतवाल के रूप में होती है। भगवान महाकाल की तरह ही नगर कोतवाल कालभैरव भी भ्रमण कर प्रजा का हाल-चाल जानने के लिए निकलते हैं। मार्गशीष मास की नवमी पर प्रजा का हाल-चाल जानने के लिए कालभैरव नगर भ्रमण पर निकले। इसके लिए देशभर से श्रद्धालु काल भैरव के दर्शन करने उमड़े।

नगर कोतवाल के रूप में विराजित काल भैरव की महिमा अपरंपार है। मान्यता है कि भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने से पहले नगर कोतवाल का आशीर्वाद लेना जरूरी है। श्रद्धालु भगवान महाकाल का दर्शन करने के बाद कालभैरव के दरबार में पहुंचते हैं। भगवान

काल भैरव की सवारी भैरव अष्टमी के बाद नवमी पर नगर भ्रमण पर निकली, जिसके पहले ग्वालियर के सिंधिया घराने से लाई गई पगड़ी भगवान काल भैरव को पहनाई गई। मार्गशीष मास की नवमी पर प्रजा का हाल-चाल जानने के लिए कालभैरव बाल स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले। इसके लिए देशभर से श्रद्धालु भगवान काल भैरव के दर्शन करने उमड़े शाम को कले टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा पूजन के बाद सवारी शुरू हुई। सवारी भैरवगढ़ भ्रमण करते हुए सिद्धवट पहुंची, जहां पूजन-आरती की गई।

काल भैरव को महाकाल का कोतवाल कहा जाता है। उनके दर्शन के बाद ही बाबा महाकाल के दर्शन की मान्यता है।

कालभैरव मंदिर के पुजारी पंडित पुष्कर चतुर्वेदी ने बताया कि भगवान के जन्मोत्सव को लेकर मंदिर में फूलों की सजावट की गई है तो रंगीन विद्युत रोशनी से पूरा मंदिर परिसर जगमगा उठा है। सवारी में भगवान कालभैरव की पालकी, बैंड, ढोल, ध्वज, घोड़े, बग्घी के साथ झांकियां शामिल रही। भैरवगढ़ का भ्रमण करते हुए सवारी पुनः कालभैरव मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। इसके बाद आरती-पूजा कर उत्सव का समापन किया गया।

जेल में कैदियों को दर्शन देने पहुंचे भगवान कालभैरव

बाल स्वरूप में नगर भ्रमण पर निकले भगवान कालभैरव की सवारी जैसे ही केंद्रीय जेल भैरवगढ़ पहुंची, वैसे ही कैदियों ने जय कालभैरव की गूंज से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया। इस दौरान जेल अधीक्षक ने बाबा की कालभैरव की पालकी का पूजन किया।

चोरी के शक में पुलिस ने महिला की 4 घंटे तक की पिटाई, अस्पताल में इलाज जारी

मामला गहराने पर जबलपुर एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने एसआई सुनीता पंच और आरक्षक रूबी को निलंबित कर दिया है। साथ ही जांच सीएसपी को सौंप दी है।

जबलपुर। जबलपुर से बड़ी घटना सामने आई है, जहां ओमती थाना पुलिस ने चोरी के शक में एक महिला को इस कदर मारा कि उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाना पड़ा, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस के मुताबिक, महिला का नाम मंजू वंशकार है जो कि रसल चौक स्थित समदड़िया होटल में सफाई कर्मचारी का काम करती थी। वहीं, मामला गहराने पर एसपी आदित्य प्रताप सिंह ने एसआई सुनीता पंच और आरक्षक रूबी को निलंबित कर दिया है। साथ ही जांच सीएसपी को सौंप दी है।

1 दिसंबर का था मामला

मिली जानकारी के अनुसार, 1 दिसंबर को होटल में एक पार्टी हुई थी। जिसमें शामिल हुए एक व्यक्ति ने हाथ में सोने का ब्रेसलेट पहना हुआ था। जिसकी कीमत करीब साढ़े 3 लाख रुपए थी जो कि पार्टी के दौरान गिर गया था। फिर वो ब्रेसलेट मंजू को मिला। जब वह अपने मालिक को देने गई तो उसे वहां कोई अधिकारी नहीं दिखा, तो वह ब्रेसलेट लेकर अपने घर चली गई। वहीं, 2 तारीख को जब मंजू होटल पहुंची तो उसने अपने साथियों को पूरा घटनाक्रम बताया। जिसके बाद उसने कहा कि इसे मैं संभालकर अपने एपरोन में रख रही हूं। इसका ध्यान रखना, जब तक मैं सभी लोगों को बुलाकर लाती हूं।

जिसके कुछ देर बाद मंजू जब लौटकर आई तो देखा कि ब्रेसलेट नहीं था और ना ही वहां पर मनोज मौजूद था। मंजू ने मनोज को फोन करके बुलाया तो मनोज ने साफ मना कर दिया कि उसने यहां पर कोई सोने का ब्रेसलेट नहीं देखा। इसके बाद होटल प्रबंधन ने दोनों को दो दिन की मोहलत दी कि वह ब्रेसलेट लाकर दें। 2 दिन बाद भी जब ब्रेसलेट नहीं मिला तो पुलिस मंजू और तीन अन्य सफाई कर्मचारियों को लेकर थाने पहुंची और फिर बिना एफआईआर दर्ज किया ही मंजू को 4 घंटे तक पुलिस ने पीटा। इस दौरान मंजू को बेल्ट और जूते से पीटने का आरोप भी पुलिस पर लगा है, जिससे वो ज मी हो गई।

पंचायत उप निर्वाचन अंतर्गत आदर्श आंचरण संहिता प्रभावी आदेश जारी

सिवनी यशोः- पंचायत उप निर्वाचन- 2023 (उत्तरार्द्ध) के परिपालन में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री क्षितिज सिंघल ने जिले की जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच/पंच एवं जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन होना है ऐसी संबंधित ग्राम पंचायत/ वार्ड के निर्वाचन क्षेत्र के अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी चुनाव समाप्त होने तक शासकीय अधिकारी / कर्मचारी सामान्यतः अवकाश प्रतिबंधित करने के आदेश जारी किए हैं। विभागीय अधिकारी कर्मचारी का अवकाश स्वीकृत नहीं करेंगें बल्कि ऐसे आवेदन प्राप्त होने पर तत्काल निराकरण हेतु संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय को भेजेंगें।

वाहन - समस्त अधिकारी अपने-अपने वाहनों को सुधरवा लें तथा उन्हें चुनाव कार्य हेतु अच्छी हालत में रखना सुनिश्चित करें। वाहन अधिग्रहण होते ही निर्वाचन कार्यालय को बिना विल ब अधिग्रहित वाहन उपलब्ध करायें। चुनाव के समय वाहन के सुधार के लिये व्यय की सीमा में सामान्यतः विभाग बढ़ोत्री करता है इसलिये अपने-अपने नियंत्रण अधिकारी से स पर्क करते हुये शासकीय वाहनों को सुधार लिया जाये और उसको सही हालत में रखा जाए। विभाग में कार्यरत वाहन चालकों को भी सदैव तत्पर रहने हेतु निर्देशित करें ताकि चुनाव कार्य में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो सके।

शासकीय वाहन के द्वारा चुनाव प्रचार पर रोक - चुनाव आयोग के निर्देश के तहत शासकीय, अर्द्धशासकीय, स्थानीय निकाय, सार्वजनिक उपकम, सहकारी बैंक, जिला पंचायत, जनपद पंचायत, नगर पालिका, नगर पंचायत आदि के वाहनों का उपयोग चुनाव - प्रचार हेतु पूर्णतः निषिद्ध है। जिला अधिकारी उनके विभाग से संबंधित इन निकाय के अध्यक्षों / उपाध्यक्षों को इसकी जानकारी देवें तथा यह सुनिश्चित करें कि निकाय के वाहन चुनाव प्रचार हेतु उपयोग में न लिये जाये। यदि इन श्रेणी के वाहनों के दुरूपयोग का कोई प्रकरण प्रकाश में आता है तो संबंधित वाहनों को तुरन्त ही जप्त कर लिया जायेगा और वाहन के नियंत्रणकर्ता अधिकारी के विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। म0प्र0 स पत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 1904- चुनाव के समय शासकीय, अर्थशासकीय, स्थानीय निकाय तथा अन्य ऐसे समस्त संस्था जो कि शासन के व्यय से संचालित हैं के भवन संपत्ति की दीवार, लोक निर्माण विभाग की सड़क, राष्ट्रीय राजमार्ग, टेलीफोन के खग्ने एवं बिजली के ख मे पर चुनाव प्रचार करना निषेध है। कोई भी अधिकारी किसी भी अ यर्थी, राजनैतिक दल आदि को इन स्थानों के उपयोग के लिये अनुमति नहीं देगा। जिला अधिकारी यह ध्यान रखें कि उनके कार्यालय भवन /संपत्ति का चुनाव प्रचार में इस्तेमाल न हो। यदि शासकीय संपत्ति को विरूपित करने की घटना उनके ध्यान में आती है तो उसे तस्काल ही लिखित में संबंधित क्षेत्र के थाना को दें और उसकी प्रति नोडल अधिकारी स पत्ति निरूपण को भेजें। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे।)

राजनैतिक समय एवं कार्यक्रम में भाग न ले- शासकीय अधिकारी/कर्मचारी को किसी भी राजनैतिक दल अणया अ यर्थी के चुनाव प्रचार-प्रसार में भाग लेना वर्जित है। यदि कोई कर्मचारी राजनैतिक गतिविधियों में लिप्त होना पाया जाता है तो तत्काल उसकी जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय में दी जाये और उक्त कर्मचारी के विरूद्ध स त अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये। अधिकारी/कर्मचारियों से अपेक्षा है कि वे निडर और निष्पक्ष होकर कार्य करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उनकी निष्पक्षता उनके दैनंदिनी के कार्यकलापों में भी परिलक्षित हो। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे।) नई योजना को शुरू करने पर तथा भूमि पूजन एवं शिलान्यास पर रोक चुनाव की घोषणा होने के पश्चात् जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच/पंच का निर्वाचन होना है ऐसी संबंधित ग्राम पंचायत/वार्ड के निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित कोई भी नई योजना की घोषणा नहीं होगी। निर्वाचन की घोषणा दिनांक से निर्वाचन समाप्त होने तक मंत्रीगण या सांसद या विधायकों द्वारा संबंधित पंचायत क्षेत्र में जहां चुनाव होने वाले हो, स्वेच्छा अनुदान राशि, जनस पर्क निधि या क्षेत्र विकास राशि में से कोई अनुदान स्वीकृत नहीं किया जाना चाहिए और न ही किसी सहायता या अनुदान का आश्वासन दिया जाना चाहिए। इस अवधि के दौरान ज़ किसी योजना या जन उपयोगी सुविधाओं का शिलान्यास या उ?द्घाटन नहीं किया जाना चाहिए। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे।)

नवीन नियुक्तियों पर रोक- निर्वाचन आयोग द्वारा सभी प्रकार के नवीन नियुक्तियों पर रोक लगाई गई है। अतः सभी विभागो के अधिकारी ध्यान रखें कि किसी भी स्थिति में नवीन नियुक्ति उक्त अवधि में न की जाये। चुनाव आयोग ने इस दर यान विशेष भर्ती अभियान पर भी रोक लगाई है। अतः अभियान के तहत भी कोई नियुक्ति न की जाये। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायंत क्षेत्र में लागू होंगे।)

मान.मंत्रियों का दौरा - आयोग के निर्देश के मुताबिक चुनाव प्रक्रिया समाप्त होने तक माननीय मंत्रीगण पंचायत के निर्वाचन क्षेत्र के किसी रेस्ट हाउस, सर्किट हाउस में किसी भी सरकारी कर्मचारी/अधिकारी को चर्चा हेतु नहीं बुलाएंगे। इसी प्रकार चुनाव क्षेत्र से लगा हुआ अन्य पढ़ौसी राज्य या पड़ोसी जिले के गेस्ट हाउस, सर्किट हाउस में भी ज़ शासकीय सेवकों को चर्चा हेतु नहीं बुलाऐंगे इसलिये माननीय मंत्रीगणों का चुनाय समाप्त होने तक जो भी दौरा होगा यह दौरा चुनावी दौरा होगा और दौरों के समय कोई भी सरकारी अधिकारी-कर्मचारी माननीय मंत्रीगणों के साथ मिलने या उनके साथ भ्रमण पर नहीं जायेंगे। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे।)

विश्राम गृहों का आरक्षण - समस्त शासकीय एवं अर्द्धशासकीय विश्राम गृहों का आरक्षण एवं आवंटन जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्राधिकृत अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार के द्वारा किया जावेगा। इस संबंध में पृथक से निर्देश जारी ज़ किये जा चुके हैं। सर्किट हाउस, रेस्ट हाउस में आरक्षण हेतु पहले आये पहले पाये नीति के अंतर्गत रेस्ट हाउस सर्किट हाउस का आरक्षण होगा। सभी जिला अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि उनके विश्राम गृहों में आगंतुक के लिये एक रजिस्टर रखा आवे तथा टेलीफोन का किराया एवं ठहरने का किराया अदा करने की रसीद बुक भी रखी जाये। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे।)

जिले के प्रवेश मार्ग तथा संवेदनशील क्षेत्रों की वैपीवोटिंग के लिये पुलिस अधिकारियों को सहयोग देना जिले के प्रवेश मार्ग तथा अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर वाहन के सघन जांच करने के उ?द्देश्य से तथा मतदाताओं को नियंत्रित व व्यवस्थित करने के उ?द्देश्य से बैरिकेटिंग करने हेतु निर्देश दिये गये है। वन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के जिला अधिकारी यह सुनिश्थित करेंगे कि स्थानीय अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट या पुलिस अधिकारियों द्वारा मांगे जाने पर वैरीकेटिंग करने के लिये उन्हें बांस, बल्ली, खाली डामर के ड्रम, श्रमिक मौके पर उपलब्ध करायेंगे।

मतदान केन्द्रों तक पहुंच मार्ग तथा पुल, पुलिया की दुरुस्ती तथा मर मत किया जाना- इस संबंध में वन मण्डलाधिकारी, कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग, कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विकास इकाईया, सड़क विकास निगम तथा समस्त मु य कार्यपालन अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देशित किया जाता है कि वे अपने अपने प्रभार में आने वाले मतदान केन्द्रों का जायजा लेते हुये इन केन्द्रों के भवनों की मर मत एवं सुधार का कार्य तुरन्त प्रार भ कर दें। इसी प्रकार मतदान केन्द्रों तक पहुंचने के लिये मार्गो को दुरूस्ती का काम भी पूरा करा लें तथा अतिवृष्टि के कारण पुल-पुलिया और रपटा को हुई क्षति को भी सुधार कर लें ताकि मतदान दल को मतदान केन्द्र तक पहुंचने में असुविधा न हो। उपरोक्तानुसार कार्यवाही करते हुये उप जिला निर्वाचन अधिकारी को 01 सप्ताह में पालन प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करें। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे।)

वनमार्ग पर पहचान सूचक चिन्ह लगाना दूरस्थ इलाकों में वन क्षेत्र में स्थित मतदान केन्द्रों तक पहुंचने के लिये बहुमा कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। वाहन चालक के बाहरी क्षेत्र का होने के कारण वन मार्ग पर गटक जाने की आशंका बनी रहती है इसलिये संबंधित वनमण्डलाधिकारी अपने स्तर से कृपया यह सुनिश्चित करायें कि मु य मार्ग से लेकर मतदान केन्द्र तक जहां पर आवश्यक हो यहां रास्ते के दोनों ओर पत्थर में चूना आदि से निशान बनायें ताकि मतदान दल को मतदान केन्द्र पहुंचने में कोई असुविधा न हो। (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू ठोंगे।)

कार्यालयों में राजनैतिक पदाधिकारियों की फोटो मूर्ति आदि के संबंध में- निश्मल निर्वाचन प्रकिया संचालित किये जाने हेतु जिम ग्राम पंबायतों में सरपंच/पंच एवं जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन होना हैं ऐसी संबंधित ग्राम पंचायत/वार्ड के निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत प्रत्येक शासकीय कार्यालय प्रमुख राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाईडलाईन अनुसार सुनिश्चित करें कि निर्वाचन अवधि में राजनैतिक पदाधिकारियों की फोटो आदि न लगी हो। इसी प्रकार यदि किसी शासकीय कार्यालय, कार्यालय प्रांगण में राजनैतिक पदाधिकारियों की मूर्ति आदि स्थापित हो तो उन्हें हटाने या डंकने की (उक्त निर्देश निर्वाचन संबंधित पंचायत क्षेत्र में लागू होंगे) अतः व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। आपको निर्देशित किया जाता है कि समय-समय पर निर्वाचन आयोग से प्राप्त निर्देशों एवं उक्तानुसार निर्देश के पालन हेतु आप अपने अधीनस्थ अधिकारियों/कर्मचारियों की बैठक लेकर उन्हें समझाईश दें और आदर्श आचार संहिता का कढ़ाई से पालन करना सुनिश्थित करायें।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पद पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

सिवनी यशोः- परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास सिवनी शहरी द्वारा जानकारी दी गई कि बबरिया शास्त्री वार्ड आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-61 के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं धोबी मोहल्ला महावीर वार्ड क्र.22 के लिए सहायिका के रिक्त पद पूर्ति हेतु 03 अ टूबर 23 से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। चूकिं 10 अ टूबर 23 को आचार संहिता लागू होने के कारण उक्त भर्ती कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया था। जिसके आवेदन हेतु पुनः नवीन तिथि 21 दिस बर 23 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा 12 उत्तीर्ण एवं आंगनबाड़ी सहायिका हेतु न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता कक्षा पांचवी उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इच्छुक आवेदक उक्त संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित कार्यालय से कार्यालयीन समय पर प्राप्त कर सकते हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्र बबरिया शास्त्री वार्ड में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद हेतु पूर्व में जिन आवेदिकाओं के द्वारा आवेदन जमा किए गए थे, उन्हें पुनः आवेदन करने की जरूरत नहीं।

उपार्जन व्यवस्थाओं की कले टर सिंघल ने की समीक्षा

सिवनी यशोः- कले टर श्री क्षितिज सिंघल ने गुरूवार 07 दिस बर को उपार्जन से जुडे अधिकारियों की बैठक लेकर समर्थन मूल्य में किये जा रहे धान उपार्जन की व्यवस्थाओं को समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने जिला आपूर्ति अधिकारी से स्थापित उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं के साथ-साथ उपार्जन के लिए स्थापित जिलास्तरीय कंट्रोल रूम के संदर्भ में जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने उपार्जन से जुड़े अधिकारियों को स्थापित उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन करने के साथ साथ उपार्जन केन्द्रों में तौलकांटे, बारदाने, सिलाई मशीन सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं तत्काल पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एफऐ यू मानकों का प्रचार-प्रसार करने तथा समितिवार पंजीकृत किसानों से संपर्क करते हुए सभी से स्कंध को सुखाकर एवं साफ करके ही उपार्जन केन्द्र लाने की अपील करने के निर्देश दिए।

बैठक में कले टर श्री सिंघल ने जिले में यूरिया एवं डी ए पी के भण्डारण की भी समीक्षा की तथा आगामी दिवसों संभावित मांग के संबंध में अधिकारियों से चर्चा करते हुए आवश्यकतानुरूप डिमांड प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्रवार उर्वरकों की मांगानुरूप भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा निर्देशित किया कि जिले के किसी भी क्षेत्र में उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण को लेकर कोई भी समस्या न आए।

'वन्या' में गोंड पेंटिंग कलाकारों का 5 दिवसीय रजिस्ट्रेशन कैंप आज से

सिवनी यशोः- जनजातीय कार्य विभाग द्वारा संचालित 'वन्या' भोपाल सहित प्रदेश के 5 जनजातीय जिलों में अधिकृत जी.आई. टैग उपयोगकर्ता हेतु गोंड पेंटिंग कलाकारों का रजिस्ट्रेशन करेगा। उपसचिव जनजातीय कार्य और वन्या की प्रबंध संचालक मीनाक्षी सिंह ने बताया कि भारत सरकार द्वारा वन्या को गोंड पेंटिंग का जी.आई. (जियोग्राफिकल इंडिकेशंस) टैग प्राप्त है। गोंड पेंटिंग के व्यवसायिक प्रचार-प्रसार व उद्यमिता विकास के साथ कलाकारों को प्रोत्साहन के उद्देश्य से यह 5 दिवसीय रजिस्ट्रेशन कैंप आयोजित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 8 से 14 दिसंबर तक भोपाल में राजीव गांधी भवन, श्यामला हिल्स स्थित वन्या प्रकाशन के कार्यालय में सुबह 11.30 से शाम 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन होंगे। वहीं, 8 दिसंबर को उमरिया, 9 को शहडोल, 10 को अनूपपुर, 11 को डिंडौरी और 13 को मंडला जिले में सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक एक दिवसीय रजिस्ट्रेशन कैंप आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए कलाकारों को अपनी बनाई हुई गोंड पेंटिंग्स के साथ आधार कार्ड और जाति प्रमाण पत्र लेकर आना होगा। जिलों में कैंप के स्थान व विस्तृत जानकारी हेतु वन्या कार्यालय एवं संबंधित जिले के कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य से संपर्क किया जा सकता है।

पंचायत उप निर्वाचन- संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

सिवनी यशोः- सचिव म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल के आदेशानुसार सिवनी जिले की ग्राम पंचायतों के सरपंच/ पंचों एवं जिला पंचायत सदस्य के उप निर्वाचन 2023 (उत्तरार्द्ध) 11/01/2024 तक स पन्न होना है। कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) श्री क्षितिज सिंघल ने जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच /पंचों एवं जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन होना है उन ग्राम पंचायत /वार्ड निर्वाचन क्षेत्र में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव स पन्न कराने तथा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु दण्ड प्रकिया संहिता की धारा 144 के तहत 11/01/2024 तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं।

जिले की सीमा अंतर्गत जिन ग्राम पंचायतों में सरपंच/ पंचों एवं जिला पंचायत सदस्य का निर्वाचन होना है ऐसी संबंधित निवार्वचन क्षेत्रों में सार्वजनिक सभाओं, ध्वनि विस्तारक यंत्रों तथा घातक आग्नेय शस्त्रों, घातक शस्त्र के सार्वजनिक प्रदर्शन तथा उपयोग पर प्रतिबंधित किया है। निर्वाचन क्षेत्र में किसी भी व्यक्ति, किसी भी प्रकार का आग्नेय शस्त्रों, फायर आर्मस एवं घातक अस्त्र- शस्त्र जैसे बंदूक, पिस्तौल, रिवाल्वर, बल्लम, खंजर, शमशीर लेकर नहीं चलेगा और न ही किसी भी प्रकार का घातक हथियार जिनसे जन साधारण को चोट पहुंचाने के प्रयोग में लाया जा सकने का खतरा हो, धारित कर सार्वजनिक रूप से नहीं निकालेगा चाहे वह लाईसेंस धारी ही ` यों न हो। इसी प्रकार स बंधित अनुविभागीय अधिकारी/तहसीलदार से विधिवत अनुमति के बिना अपंजीकृत वाहनों से झंडे, बैनर, पले स बोर्ड, स्पीकर लाउड स्पीकर आदि चुनाव प्रचार करने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। कोई भी व्यक्ति अथवा स प्रदाय या समूह अनुभाग के अनुविभागीय दण्डाधिकारी से 24 घण्टे पूर्व वैद्यानिक अनुमति प्राप्त बगैर किसी भी स्थान पर आमसभा, धरना, रैली, प्रदर्शन एवं बंद नही आयोजित करेगा और न ही इसके लिये प्रचार-प्रसार करेगा। रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 6.00 बजे तक चुनाव प्रचार संबंधी गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। घर-घर जाकर प्रचार, एस.एम.एस., व्हाट्सएप्प संदेश, दूरभाष तथा लाउड स्पीकर का प्रयोग प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश दण्ड प्रकिया संहिता 1973 की धारा 144(2) के अंतर्गत यह आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जाता है। इस आदेश का उल्लघंन भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के तहत दण्डनीय होगा।

पंचायत उप निर्वाचन के लिए रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त

सिवनी यशोः- पंचायत उप निर्वाचन 2023 (उत्तरार्ध्द) के पालन में कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) श्री क्षितिज सिंघल ने जिला पंचायत एवं ग्राम पंचायतों के पंचायत उप निर्वाचन 2023 के लिए रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किए हैं, जो नि नानुसार हैं-

जिला पंचायत के क्षेत्र क्रमांक-1 के निर्वाचन के लिए रिटर्निंग अधिकारी कले टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सिवनी होंगे एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी अपर कले टर सिवनी तथा जिला योजना अधिकारी सिवनी को नियुक्त किया गया है। इसी तरह जनपद पंचायत सिवनी, बरघाट, केवलारी, कुरई, लखनादौन एवं घंसौर के रिटर्निंग अधिकारी संबंधित जनपद के तहसीलदार को नियुक्त किया गया है।

मु यमंत्री चौहान ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर प्रदान की सहयोग राशि

भोपाल । मु यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को मु यमंत्री निवास परिसर 'समत्व' भवन में सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर संचालक सैनिक कल्याण म.प्र., ब्रिगेडियर (सेवानिवृत) अरुण नायर ने प्रतीक ध्वज लगाया। मु यमंत्री श्री चौहान ने अपनी ओर से सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सहयोग राशि तथा दिवस के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं प्रदान की।

उल्लेखनीय है कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं के सैनिक देश की रक्षा, आंतरिक सुरक्षा और प्राकृतिक आपदाओं में कर्त्तव्य पालन करते हुए वीरगति को प्राप्त हो जाते हैं। इन सैनिकों को स्मरण करने, स मान देने तथा देश के नागरिकों द्वारा सैनिकों के प्रति स मान भाव प्रकट करने के लिए वर्ष 1949 से प्रतिवर्ष 7 दिसंबर, सशस्त्र सेना झंडा दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस पर मोटर वाहनों में लगने वाले कार ध्वज तथा प्रतीक ध्वज वितरित करने से संग्रहित राशि से शहीद सैनिकों के आश्रित परिजन, दिव्यांग सैनिकों, पूर्व सैनिकों, सेवारत सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास से संबंधित आर्थिक सहायता योजनाएँ संचालित की जाती हैं।

मु यमंत्री को ब्रह्मकुमारियों ने भेंट की ट्रॉफी

विधानसभा चुनाव में सफलता के लिए जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और सामाजिक संगठनों में भी दी शुभकामनाएं

भोपाल। मु यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को विधानसभा निर्वाचन में प्रदेश में मिली सफलता के लिए जनप्रतिनिधयों, समाजसेवियों, सामाजिक संगठनों ने बधाई दी। इसी क्रम में प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भोपाल की क्षेत्र प्रमुख ब्रह्मकुमारी अवधेश दीदी तथा साथियों ने भी बधाई और शुभकामनाएं दीं। मु यमंत्री श्री चौहान को ब्रह्मकुमारियों द्वारा विजय श्री के प्रतीक स्वरूप ट्रॉफी भेंट की गई। ब्रह्मकुमारी अवधेश दीदी ने कहा कि प्रदेश में मिली सफलता मु यमंत्री श्री चौहान के अथक परिश्रम और सेवा भाव का परिणाम है। उन्होंने मु यमंत्री श्री चौहान के यशस्वी और स्वस्थ जीवन तथा उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। सरिता दीदी और जया दीदी साथ थीं।

मध्यप्रदेश को वन्यजीव पर्यटन के लिए मिला 'सैंक्चुअरी एशिया अवॉर्ड'

नई दिल्ली में हुआ टॉफ टाइगर्स वाइल्डलाइफ टूरिज्म अवॉर्ड्स सर्वश्रेष्ठ सतत वन्यजीव पर्यटन राज्य कैटेगरी के लिये मिला स मान

भोपाल । मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड को टॉफ टाइगर्स वाइल्डलाइफ टूरिज्म अवार्ड्स में ÷सर्वश्रेष्ठ सतत वन्यजीव पर्यटन राज्य÷ (द बेस्ट सस्टेनेबल वाइल्डलाइफ टूरिज्म स्टेट) के लिए सैंक्चुअरी एशिया अवॉर्ड से नई दिल्ली में स मानित किया गया है। मध्यप्रदेश को भारतीय उपमहाद्वीप में प्रकृति, पर्यटन, उद्योग, सतत प्रथाओं और रिस्पॉन्सिबल टूरिज्म में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया है।

प्रमुख सचिव पर्यटन और संस्कृति एवं प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शु ला ने स मान पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि, मध्यप्रदेश देश का टाइगर स्टेट है और दुनिया से टाइगर्स को देखने के लिए पर्यटक यहां के राष्ट्रीय उद्यानों में पहुंचते हैं। प्रदेश में पर्यटकों की सं या बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने की जि मेदारी भी बोर्ड की है। इसलिए वन्य क्षेत्रों के आस-पास ईको-फ्रेंडली होमस्टे, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यटकों में जागरूकता लाने जैसे विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं।

पर्यटन पर आधारित शॉर्ट फिल्म और प्रेजेन्टेशन

समारोह में मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा प्रदेश के विभिन्न पर्यटन गंतव्यों एवं उत्पादों पर आधारित एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई। ऑडियो-विजुअल प्रेजेन्टेशन के माध्मय से मध्यप्रदेश के विभिन्न एतिहासिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक, लोक एवं शिल्प कला एवं वन्यजीव पर्यटन पर आधारित जानकारी साझा की गई। अतुल्य भारत के दिल %मध्यप्रदेश% को घूमने के लिए एक आकर्षक एवं आदर्श गंतव्य के रूप में चित्रित किया गया। प्रदेश आध्यात्मिकता, प्राकृतिक वैभव, वन्य जीवन और सांस्कृतिक आभा को समेटे हुए है, जो पर्यटकों को अभिभूत करता है। टूरिज्म बोर्ड की ओर से यह पुरस्कार उप संचालक श्री युवराज पडोले ने ग्रहण किया।

टाइगर, चीता एवं लेपर्ड स्टेट ऑफ इंडिया

मध्यप्रदेश वन्यजीवों की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है। 12 राष्ट्रीय उद्यानों और 24 वन्यजीव अ यारण्यों के साथ, विभिन्न पौधों, जानवरों और पक्षियों जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध है। देश में सर्वाधिक टाइगर्स मध्यप्रदेश में होने के कारण %टाइगर स्टेट ऑफ इंडिया% होने का गौरव प्राप्त है। म.प्र. में वर्तमान में 785 टाइगर हैं। मध्यप्रदेश को %टाइगर स्टेट ऑफ़ इंडिया% के नाम से जाना जाता है। इसके साथ ही प्रदेश को 'लेपर्ड स्टेट' और 'घडियाल स्टेट' का भी गौरव प्राप्त है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीतों के आगमन ये प्रदेश को चीता स्टेट के रूप में मान्यता मिली है।

जनपद पंचायत में करोड़ों के गबन के मामले में फरार चल रहे आरोपी को नैनपुर पुलिस ने किया गिर तार

मंडला यशोः- मंडला जिले के नैनपुर पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है मामले के बारे में आपको बता दें कि 13 अप्रैल 2023 को जनपद पंचायत नैनपुर में 1 करोड़ 16 लाख 56000 की शासकीय राशि के गबन के मामले की शिकायत मु य कार्यपालन अधिकारी विवेक मरावी के द्वारा नैनपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी उक्त मामले में जनपद पंचायत नैनपुर में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर जितेंद्र जंघेला उर्फ जित्तू पर गबन के आरोप लगे इस दौरान नैनपुर पुलिस थाना में आरोपी जितेंद्र जंघेला के विरुद्ध धारा 420, 467, 468,409,120 (बी) के तहत मामला पंजीकृत किया गया मामला पंजीबद होने के बाद आरोपी जितेंद्र जंघेला नैनपुर से फरार हो गया। नैनपुर पुलिस के द्वारा फरार आरोपी जितेंद्र जंघेला का पता बताने वाले व्यक्ति को 30,000 की इनामी राशि देने की घोषणा की गई। मुखबरी की सूचना के आधार पर नैनपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत जहरमऊ में आरोपी जितेंद्र जंघेला देखा गया जिसकी जानकारी नैनपुर थाना प्रभारी को लगी नैनपुर थाना प्रभारी जनक सिंह रावत के द्वारा टीम गठित करते हुए एक दल जहरमऊ के लिए रवाना किया गया और पुलिस ने सतर्कता और सूझबूझ से आरोपी जितेंद्र जंघेला को अपनी हिरासत में लिया। फिलहाल नैनपुर पुलिस ने आरोपी को रिमांड में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसके बाद नैनपुर पुलिस ने आरोपी जितेंद्र जंघेला गिर तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

उपार्जित धान की सुरक्षा के पु ता इंतजाम रखें – डॉ. सिडाना

समय-सीमा की बैठक में कले टर के निर्देश

मंडला यशोः- समय-सीमा एवं विभागीय समन्वय समिति की बैठक में कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने निर्देशित किया कि सभी खरीदी केन्द्रों में उपार्जित धान की सुरक्षा के लिए पु ता इंतजाम रखें। खुले स्थान में खरीदी न करें तथा गुणवत्ता का ध्यान रखें। उन्होंपने एसडीएम सहित संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में अपर कले टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कले टर ने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी विभागीय योजनाओं की सतत समीक्षा करते हुए प्रगति लाएं। वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करें। डीएमएफ मद से किए जा रहे कार्यों को जल्द पूर्ण कराएं। कार्यों को समय में पूरा करने के लिए संबंधित विभाग भी निर्माण एजेंसी से समन्वय करें। सामुदायिक स्वच्छता परिसर के कार्यों में गति लाएं। सुमन डेस्क को प्रभावी बनाएं। कले टर ने बस्ती विकास, भूमि आवंटन, उर्वरक की उपलब्धता, सीएम हेल्पलाईन, टीएल प्रकरण आदि के संबंध में भी विस्तार से चर्चा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

निर्वाचन में बेहतर कार्य पर कले टर ने की सराहना

विधानसभा आम निर्वाचन-2023 में सराहनीय कार्य करने के लिए कले टर डॉ. सलोनी सिडाना ने सभी विभागों के अधिकारी, कर्मचारियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन से संबंधित सभी कार्य को आयोग की मंशा के अनुरूप समय-सीमा में पूर्ण करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है, जिले के सभी अधिकारी, कर्मचारियों ने एक टीम के रूप में बेहतर कार्य किया है। उन्होंाने कहा कि विधानसभा निर्वाचन के दौरान आई कठिनाईयों को चिन्हित करें तथा आगामी लोकसभा निर्वाचन की तैयारियों के दौरान उन बिन्दुओं पर पहले से ही आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए विशेष शिविर लगाएं

राजस्व विभाग की समीक्षा के दौरान कले टर ने निर्देशित किया कि विभिन्न राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में आवश्यक सुनवाई पूर्ण करते हुए उन्हें जल्द से जल्द निराकृत करें। इस संबंध में उन्होंशने विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। कले टर ने कहा कि क्षेत्रवार प्रकरणों की सं या का अध्ययन करें तथा आवश्यकतानुसार ग्राम स्तर पर भी सुनवाई कर राजस्व प्रकरणों के निराकरण की पहल करें। सीमांकन, बटवारा आदि के प्रकरणों पर भी समय-सीमा में निराकरण की कार्यवाही करें। उन्होंने स्वामित्व योजना का कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए।

प्रगतिरत कार्य पूर्ण कराएं

कले टर ने निर्देशित किया कि विभिन्न विभागों के द्वारा किए जा रहे सड़क, पुल-पुलिया, स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनवाड़ी भवन सहित अन्य प्रगतिरत निर्माण कार्यों को जल्द पूर्ण कराएं। आवश्यकतानुसार सड़क सहित अन्य निर्माण कार्यों के प्रस्ताव प्रस्तुत करें। कले टर ने जबलपुर-मंडला तथा पदमी-रामनगर मार्ग के निर्माण कार्य की गति संतोषजनक नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने शहरी क्षेत्रों में कायाकल्प अभियान के तहत किए जा रहे कार्य, सीवरलाईन तथा सड़क निर्माण के कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

शिक्षा की गुणवत्ता पर करें फोकस

कले टर डॉ. सिडाना ने निर्देशित किया कि आगामी बोर्ड परीक्षा को ध्यान में रखते हुए शिक्षा की गुणवत्ता पर फोकस करें। शालाओं को अकादमिक रूप से सक्षम बनाएं। छात्रवार, विषयवार कठिनाईयों का चिन्हांकन करते हुए उनका निराकरण कराएं। मॉडल पेपर बनाकर टेस्ट परीक्षाएं आयोजित करें। उन्होंने आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करने के भी निर्देश दिए। कले टर ने कहा कि शिक्षा से संबंधित विभागों के जिला, विकासखंड तथा जनशिक्षा केन्द्र स्तर के अधिकारी, कर्मचारी शालाओं का सतत भ्रमण करते हुए पाठ्यक्रम पर ध्यान दें। परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने का प्रयास करें।

किसान निजी विक्रेताओं के पास से भी खाद का क्रय कर सकते हैं

डबल लॉक केन्द्रों में चस्पा की गई है निजी विक्रेताओं की सूची

मंडला यशोः- इस वर्ष रबी सीजन के लिये 160.55 हजार हे टर में बोनी प्रस्तावित है जिसमें आज दिनांक तक 70 प्रतिशत बोनी हो चुकी है। जिले में खाद की व्यवस्था देखते हुए डबल लॉक केन्द्रों में निजी विक्रेताओं के पास उपलब्ध खाद की सूची चस्पा की गई है जिसके अनुसार किसान निजी विक्रेताओं के पास से भी खाद का क्रय कर सकते हैं।

इस संबंध में उप संचालक कृषि मधु अली ने बताया कि जिले में 2390 मे. टन यूरिया, 1143 मे. टन डी.ए.पी., 1432 मे. टन एस.एस.पी., 97 मे. टन पोटास एवं 812 मे. टन एन.पी.के. का पले स खाद उपलब्ध है। जिले की प्रमुख निजी खाद दुकाने जहां पर यूरिया उपलब्ध हैं जिसमें जय मां दुर्गा कृषि केंद्र नारायणगंज, श्री सदगुरू ट्रेडिंग क पनी बिछिया, जतिन ट्रेडर्स अंजनिया, किसान कृषि केंद्र अंजनिया, मोहन ट्रेडर्स नैनपुर, जंघेला कृषि केंद्र जहरमऊ, भारत कृषि केंद्र नैनपुर, साहू ट्रेडर्स नैनपुर, सौरभ ट्रेडर्स नैनपुर, पुरोहित ट्रेडर्स मंडला, संदीप बीज भंडार मंडला, श्रीजी ट्रेडर्स मंडला, नर्मदा कृषि केंद्र मंडला, राय कृषि केंद्र मंडला, सदगुरू ट्रेडर्स घुटास, पारस ट्रेडर्स हिरदेनगर, संदीप खाद भंडार करियागांव, सिंगौर कृषि केंद्र ब हनी बंजर, सोनल ट्रेडर्स ब हनी बंजर, मां गायत्री एसोसियेट ब हनी बंजर, नारायणदास खंडेलवाल ब हनी बंजर, मनमोहन कृषि केंद्र घुघरी आदि। यहां से भी किसान अपनी आवश्यकतानुसार खाद प्राप्त कर सकते हैं। जिले के सभी खाद डीलर्स एवं विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि वे शासन द्वारा निर्धारित दर पर ही उर्वरक का विक्रय करें। खाद का विक्रय निर्धारित दर से अधिक दर पर विक्रय करने पर उर्वरक गुण नियंत्रण नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधान अनुसार संबंधित विक्रेता पर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

नेशनल लोक अदालत शनिवार को, प्रचार के लिये वाहन को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्षन में शनिवार को जिला न्यायालयों/तालुका न्यायालयों, श्रम न्यायालयों, कुटु ब न्यायालयों तथा अन्य न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जिसमें न्यायालयीन लंबित दीवानी एवं आपराधिक शमनीय मामलों एवं बैंक, विद्युत, श्रम, जलकर, संपत्तिकर आदि प्री-लिटिगेषन प्रकरणों सहित सभी प्रकार के मामले निराकरण हेतु रखे जायेगें। नेशनल लोक अदालत के वृहद प्रचार-प्रसार के लिये प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व समिति के अध्यक्ष श्री दिनेश चंद्र थपलियाल द्वारा प्रचार-प्रसार वाहन को जिला न्यायालय परिसर से हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान विशेष न्यायाधीष श्री रविन्द्र कुमार कुशवाह, जिला न्यायाधीष श्री अमर कुमार शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री आफिस अब्दुल्लाह, विषेष न्यायाधीष (पॉ सो) श्रीमति नौसीन खान, मु य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री संजीव कटारे, न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री विकास विष्वकर्मा, श्रीमती तारा मार्को श्री दयालसिंह सूर्यवंषी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीतेन्द्र मोहन धुर्वे उपस्थित रहें।नेशनल लोक अदालत में विद्युत अधिनियम के लंबित एवं प्री-लिटिगेशन प्रकरणों के अलावा मप्र नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत अधिरोपित संपत्ति कर एवं जलकर के प्री-लिटिगेशन प्रकरणों में विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं को नियमानुसार विभिन्न छूट प्रदान की जायेगी। साथ ही लोक अदालत के लाभ जैसे प्रकरणों के निराकरण पर कोर्ट फीस पक्षकार को वापसी योग्य होती है। लोक अदालत में दोनों पक्षकारों की जीत होती है, किसी भी पक्ष की हार नहीं होती है। लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से मामला रखा जाकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में विवाद का निराकरण किया जाता है, जिससे पक्षकारों के अमूल्य समय तथा व्यय होने वाले धन की बचत होती है तथा पक्षकारों में परस्पर स्नेह भी बना रहता है। लोक अदालत में मामला अंतिम रूप से निराकृत होता है, इसके आदेश की कोई अपील अथवा रिवीजन नहीं होती है। लाभों के बारे में आम जन को प्रचार-प्रसार के माध्यम से अवगत कराया जा रहा हैं।

सीएम राइज शिक्षक व्यवसायिक उन्नयन कार्यक्रम के अंतर्गत सीखना, सिखाना और प्रश्न विषय पर ऑनलाइन शैक्षिक संवाद का सफल आयोजन

मंडला यशोः- राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल ज़िला शिक्षा केन्द्र तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट मंडला के निर्देशानुसार 'सीखना सिखाना और प्रश्न' विषय पर जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद कार्यक्रम का ऑनलाइन आयोजन डाइट मंडला से किया गया। जिले के प्रतिभागी डाइट प्रशिक्षण प्रभारी राजेश जायसवाल, सहायक परियोजना समन्वयक अकादमिक शेषमणि गौतम, निपुण प्रोफेशनल, विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक, जनशिक्षक एवं प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला में अध्यापन कराने वाले सभी शिक्षक रहे। संवाद में महत्वपूर्ण तकनीकी एवं अकादमिक सहयोग पुष्पेंद्र सिंह के द्वारा प्रदान किया गया। शैक्षिक संवाद में प्रतिभागियों ने आडियो-वीडियो के साथ जुड़कर विचार साझा किये।

शैक्षिक संवाद में महत्वपूर्ण विषय सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में प्रश्नों का कोई महत्व है? यदि हाँ तो कैसे? पर संजय तिवारी के द्वारा विचार साझा किया गया। बच्चों के द्वारा प्रश्न पूछने का महत्व विषय पर प्रियदर्शन पटेल ने प्रकाश डाला। आप अपनी कक्षा में बच्चों से किस-किस प्रकार के पूछते हैं? सभी छात्रों को इस प्रक्रिया में शामिल करने के लिए शिक्षक साथियों को आप` या सलाह देंगे विषय पर शिक्षिका सारिका पटेल ने विचार प्रस्तुत किए। कक्षा में प्रश्न पूछने के लिए आप पूर्व-तैयारी केसे करते हैं? पर रश्मि तिवारी ने विचार साझा किया। कुछ छात्र सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग नहीं ले पाते हैं आपके अनुभव में ऐसा` यों होता है? पर शिक्षक जगन्नाथ रजक ने विचार साझा किए एवं कक्षा में प्रश्न पूछने के दौरान सामान्यतः शिक्षक साथियों को किन चुनौतियों का सामना करना पढ़ता है ? विषयवस्तु पर मुराद अली ने विचार साझा किए इन चुनौतियों के समाधान हेतु हम शिक्षक साथियों को विभिन्न स्तरों पर किस प्रकार सहयोग कर सकते हैं ? पर नवनीत दुबे ने विचार रखे ज़िलें के विद्यालयों में किये गए आदर्श विद्यालय संचालन के अनुभव को प्रतिभागियों ने चैट के माध्यम से साझा किया।

डाक चौपाल संदेश खुशहाली का ग्राम मधुपुरी में सफल आयोजन

मंडला यशोः- भारतीय डाक विभाग मंडला डाक संभाग अंतर्गत उपसंभाग मंडला के ग्राम पंचायत भवन मधुपुरी में सामुदायिक विकास कार्यक्रम डाक चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डाक विभाग से जुड़ी विभिन्न जनहितैषी एवं लाभदायक योजनाएं जैसे- बचत खाता, आवर्ती जमा खाता, सावधि जमा खाता, मासिक आय योजना खाता, वरिष्ठ नागरिक बचत खाता, आई.पी.पी.बी. खाता, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा इत्यादि की जानकारी दी गई। मंडला संभाग के सहायक अधीक्षक पी.एन. सिंगौर के द्वारा डाक विभाग से जुड़ी योजनाओं, बीमा योजनाओं एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक द्वारा किस प्रकार मात्र 399 में 10 लाख का ऐ सीडेंटल बीमा योजना कवर किया जा रहा है इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। डाक विभाग के अधिकारी, कर्मचारियों ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विभाग की योजनाओं से जुड़ी जानकारी पर विस्तार से चर्चा करते हुए लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में मु य अतिथि अनीता पन्द्रे जनपद सदस्य मंडला, विशिष्ट अतिथि सरपंच लच्छीराम उइके, उपसरपंच रवि कुमार नंदा, सचिव काशीराम बरमैया, पुष्पा रघुवंशी स्टॉफ नर्स, सहायक अधीक्षक डाकघर मंडला उपसंभाग पी.एन. सिंगौर, उपसंभागीय निरीक्षक मंडला सेंट्रल विकास कुमार झा एवं डाक विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मिट्टी की कठोरता जैविक खाद से दूर की जा सकती है – डॉ. आरएल राउत

जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, अमृतपानी, दशपर्णी काढ़ा, ब्र हास्त्र और नीमास्त्र प्राकृतिक खेती के अवयव विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस पर मृदा स्वास्थ कार्ड वितरित

बालाघाट। विश्व मृदा दिवस के अवसर पर मंगलवार को कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव में किसान कल्याण विभाग व आत्मा समिति द्वारा कार्यक्रम सह संक्षिप्त कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिले के 111 से अधिक किसानों और विद्यार्थियों के साथ केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिकों और विभागीय अमले ने मृदा की शक्ति तथा उत्पादकता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियॉं प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ वैज्ञानिक व केंद्र प्रमुख डॉ.आरएल राऊत ने कृषि उत्पादकता में मृदा के बारें में बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में अधिक उत्पादन पाने के लिये किसानों द्वारा लगातार रासायनिक खादों किटनाशकों का उपयोग किया जा रहा है। इससे उत्पादन तो अच्छा प्राप्त होता है लेकिन ल बे समय के लिये ठीक नहीं हैं। रासायनिक खादों का अधिक उपयोग करने से मिट्टी में कठोरता आने लगती है। जिससे मिट्टी की उपजाऊ क्षमता कम हो जाती है। वहीं अगर मिट्टी की इस कठोरता को दूर करना हो तो जैविक तत्वों का उपयोग कर उपजाऊ क्षमता भी बढ़ाई जा सकती है। उन्होंने किसानों से कहा कि जैविक खाद का प्रयोग करते हुए मृदा में उत्पन्न होने वाली कठोरता को कम किया जा सकता हैं।

कार्यक्रम में डॉ. एस.आर. धुवारे, श्री धर्मेन्द्र आगाशे, कु. अंजना गुप्ता एवं श्री जितेन्द्र नगपुरे ने मृदा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्रदान की।केंचुए से रोका जा सकता है खरपतवारडॉ. राऊत ने खेतों से निकलने वाले कचरे व घुड़े से खाद बनाने के लिये किसानों को प्रोत्साहित करते हुये कहा कि केंचुआ ही वो जंतु है जो विभिन्न प्रकार के खरपतवार को रोक सकता है। वास्तव में खेतों से निकलने वाले फसल या अन्य उत्पादकों को केंचुआ खाकर अपनी विशेषता के कारण बेहतर तरीके से पचाने के बाद अपनी विशेष शक्ति से ऑउटपुट निकालता है। जबकि अन्य जीव गोबर के साथ फसलों व विभिन्न तरह की खरपतवारों के बीज भी निकाल देते है। इस कारण खेतों में खरपतवार बनी रहती है। घुड़ें को सड़ाकर वेस्ट-डिक पोजर बनाने से उसके फायदों के बारे में भी बताया गया। साथ ही कहा कि घुड़े को खाद में जल्दी से तब्दील किया जा सकता है। केंचुऑ खाद, बायोगैस के बारे में जानकारी दी गयी।किसान स्वयं बना सकता है जैव अपघटककेवीके और कृषि विभाग द्वारा किसानों के साथ आयोजित संक्षिप्त कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसान हितैषी जैव अपघटकों के बारे में जानकारियॉं दी गई। साथ ही विशिष्ट जैव अपघटक बनाने की विधि भी बतलाई गयी। किसान अगर अपने खेत में ही जैव अपघटक (बॉयोडिक पोजर) बनाना चाहता है तो उन्हें बनाने 200 लीटर पानी, 2 किलो गुड़, 2 किलो बेसन एवं बॉयोडिक पोजर की डिब्बी लेकर सभी को एक ड्रम में घोलना होगा हैं। इस प्रक्रिया के बाद सात दिनों के इंतजार करने से एक अच्छा जैव अपघटक यह डिक पोजर सात दिन में तैयार हो जाता हैं। इसका उपयोग कचरा सड़ाने के लिये कर सकते हैं।मिट्टी परीक्षण से पता चल सकता है तत्वों की कमी कावैज्ञानिक डॉ. रमेश अमूले ने मृदा के परीक्षण के बारे में बताते हुये कहा कि केवल मृदा परीक्षण से ही पता चल सकता है कि मृदा में कौन से पोषक तत्वों की कमी हैं? मृदा परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर उर्वरक देने से मृदा का स्वस्थ्य भी ठीक रहेगा और किसान की लागत में भी कमी आयेगी। डॉ. अमूले ने किसानों को जानकारी देते हुये बताया कि जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, अमृतपानी, दशपर्णी काढ़ा, ब्र हास्त्र, नीमास्त्र आदि मिट्टी के लिये प्राकृतिक अवयव है। जैविक खाद बनाने की कई विधियों से जैविक खाद बनाई जा सकती हैं। जैविक पेस्टीसाईट बनाकर इसका प्रयोग करें जिससे फसलों को रोग व कीट से बचाया जा सकता हैं। आत्मा समिति विकासखण्ड तकनीकी प्रबंधक किरनापुर डॉ. जगदीश कुटारिया ने किसानों को खेती की उन्नतशील तकनीकों अपनाये तो एक अच्छा उत्पादन किया जा सकें और किसान यदि कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा बतायों गयी उन्नत तकनीक को अपनायें जिससे मृदा को स्वस्थ्य रखा जा सकें। रोग एवं कीटों से फसल को बचाया जा सकता हैं। कार्यक्रम के दौरान 45 कृषकों मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण किया गया।

दैनिक यशोन्नति की और खबरों तथा वीडिओ के लिये एप डाउनलोड करें -https://dainikyashonnati.com

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक राजेश अग्रवाल द्वारा,नवीन प्रिंटर्स बींझावाड़ा रोड अकबर वार्ड सिवनी से मुद्रित एवं काली चौक टैगौर वार्ड सिवनी से प्रकाशित संपादक-मनोज मर्दन त्रिवेदी ईमेल-yasonati@gmail.com न्यायालीन क्षेत्र अधिकार सिवनी , 9425843297